Your Imagination, we Print...

JAY graphics & printers

COMMERCIAL PRINTERS

C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 280 • दिनांक : 16-07-2026, THURSDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'

दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये

सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय

403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.

अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.

मोबाईल नं. : 93288 95485

email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए :सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

»तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। IRGC ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते

हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलना चाहते हैं, लेकिन अभी तक यह तय नहीं है कि दोनों नेताओं की मुलाकात होगी या नहीं।

हिब्रू मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू अमेरिका में दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने और उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे हैं। ग्राहम इजराइल के मजबूत समर्थक माने जाते थे और सप्ताहांत में उनका निधन हो गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अचानक बुधवार को अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। न्यूज एजेंसी मेहर के मुताबिक, वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे। उनके यात्रा की पहले से घोषणा नहीं की गई थी।

कतर के सर्वोच्च सरकारी निकाय अमिरी दीवान के अनुसार, हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार को 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

अराघची का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब हाल के हफ्तों में ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में कतर में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए थे। कतर ने जून में अमेरिका और ईरान के बीच हुई वार्ताओं में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। इन्हीं बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) हुआ था, लेकिन अब वह समझौता कमजोर पड़ता नजर आ रहा है।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि अराघची अपने दोहा दौरे के दौरान अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम बहाल करने पर भी कोई बातचीत करेंगे या नहीं। ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज एमवी गेलैक्सी पर हुए हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नाविक हेरंभ करमरकर के परिवार की मदद के लिए दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास आगे आया है।

भारतीय मिशन ने बुधवार को बताया कि वह UAE के अधिकारियों और शिपिंग कंपनी के साथ लगातार संपर्क में है और परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

12 जुलाई को साइप्रस के झंडे वाले इस मालवाहक जहाज पर हमला हुआ था। उस समय जहाज पर 11 भारतीय क्रू मेंबर्स सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 30 वर्षीय थर्ड इंजीनियर हेरंभ करमरकर लापता हो गए थे।

बाद में ओमान के तटरक्षक बल ने उनका शव बरामद किया। फिलहाल उनका पार्थिव शरीर ओमान की नौसेना के पास है और उसे भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है।

परिवार के अनुसार, हेरंभ पिछले पांच महीने से इस जहाज पर तैनात थे और जल्द ही उनकी ड्यूटी पूरी होने वाली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और तेज करने पर चर्चा हुई।

इस बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ, व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक से पहले ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज से कहा कि अगले तीन दिनों में अमेरिका ईरान पर और ज्यादा जोरदार हमले करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पिकऐक्स माउंटेन पर भी नजर बनाए हुए है।

आषाढ़ी द्वितीया पर भक्ति के महासागर में डूबेगा सूरत

श्रद्धा, संस्कृति और समर्पण का संगम : आषाढ़ी द्वितीया पर आयोजित होने वाला 'जगन्नाथ महापर्व'

जानिए रथयात्रा के इस महापर्व के पीछे की पौराणिक कथाएँ और ऐतिहासिक तथ्य

- भगवान की अस्वस्थता, नेत्रोत्सव से लेकर स्वर्ण श्रृंगार तक की अद्भुत एवं अलौकिक परंपराएँ
- सूरत के अमरोली स्थित लंका विजय हनुमानजी मंदिर से पिछले 45 वर्षों से निकल रही है ऐतिहासिक रथयात्रा

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

बुधवार : आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर आयोजित होने वाली भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा भारतीय संस्कृति की सामाजिक समरसता, अटूट आस्था और सामूहिक भक्ति का सर्वोच्च प्रतीक मानी जाती है। इस वर्ष भगवान श्रीजगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा निकाली जाएगी।

सामान्य दिनों में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं, लेकिन वर्ष में एक बार आषाढ़ी द्वितीया के दिन स्वयं जगत के नाथ भगवान श्रीजगन्नाथ अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर नगर भ्रमण करते हैं। वे अपने भक्तों के सुख-दुःख का हाल जानने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को दर्शन देने के लिए नगर यात्रा पर निकलते हैं।

इस शुभ अवसर पर पूरा वातावरण "जय जगन्नाथ" के जयघोष, भजन-कीर्तन और भक्तिभाव से गूंज उठता है। किंतु इस महापर्व के पीछे अनेक पौराणिक कथाएँ और ऐतिहासिक तथ्य जुड़े हुए हैं।

रथयात्रा का इतिहास एवं पौराणिक मान्यताएँ

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का उल्लेख ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा स्कंद पुराण में भी मिलता है। पुरी में यह परंपरा सदियों पुरानी है, जबकि अहमदाबाद में इसकी शुरुआत 2 जुलाई 1878 को महंत नरसिंहदासजी महाराज द्वारा की गई थी। आज यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी रथयात्रा मानी जाती है। सूरत शहर में भी रथयात्रा की परंपरा अत्यंत गौरवशाली रही है। वर्ष 1980 से अमरोली स्थित ऐतिहासिक लंका विजय हनुमानजी मंदिर से श्रद्धापूर्वक निकाली जाने वाली रथयात्रा शहर के प्रमुख आकर्षणों में से एक है और इसे सूरत की सबसे पुरानी रथयात्राओं में गिना जाता है। सूरत में रहने वाले ओडिशा मूल के श्रद्धालु तथा विभिन्न मंदिर भी पारंपरिक शैली में रथयात्रा का आयोजन करते हैं, जो शहर की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष आषाढ़ी द्वितीया के दिन इस्कॉन मंदिर द्वारा रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर जहांगीरपुरा स्थित इस्कॉन मंदिर तक भव्य रथयात्रा निकाली जाती है।

बहन सुभद्रा की नगर भ्रमण की इच्छा

लोकमान्यता के अनुसार एक बार भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका नगरी देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और उनके बड़े भाई बलराम ने सुभद्रा को रथ में बैठाकर पूरे नगर का भ्रमण कराया। इसी घटना की स्मृति में प्रत्येक वर्ष आषाढ़ी द्वितीया के दिन तीनों भाई-बहनों की रथयात्रा निकालने की परंपरा प्रारंभ हुई।

गुंडिचा देवी (मौसी के घर) की कथा

दूसरी मान्यता के अनुसार भगवान जगन्नाथ के परम भक्त राजा इन्द्रद्युम्न तथा उनकी रानी गुंडिचा के आग्रह पर भगवान ने वचन दिया था कि वे वर्ष में एक बार उनके घर अर्थात मौसी के घर अवश्य पधारेंगे। इसी वचन को निभाने के लिए भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा रथ पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं।

यूपी-बिहार में भारी बारिश, राजस्थान-एमपी में मानसून ब्रेक

जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले ओडिशा में रेड अलर्ट

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मानसून ऐक्टिव है। इधर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून पर ब्रेक लग गया है। गुरुवार को होने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट है। बुधवार को बिहार के गयाजी में स्कूल जा रहे तीन बच्चों पर बिजली गिर गई। एक बच्चे की मौत हो गई। समस्तीपुर में भी बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।

यूपी के लखनऊ में मंगलवार को तेज बारिश हुई। बलिया में सरयू और घाघरा नदी के किनारों पर कटान शुरू हो गया है। इसके चलते बांसडीह में 150 परिवार घर छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं। मानसून ट्रफ, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत में आकर रुक गई हैं। इससे पश्चिम-उत्तर भारत तक पर्याप्त मात्रा में नम हवाएं नहीं पहुंच पा रही हैं, इसलिए बारिश कम हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, कुछ दिनों बाद नया लो-प्रेशर सिस्टम बनने या मानसून ट्रफ के पश्चिम की ओर बढ़ने पर इन राज्यों में भी अच्छी बारिश शुरू हो सकती है। सैटेलाइट इमेज में बारिश का पूरा फोकस पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत पर है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के ऊपर घने बादल हैं। वहीं राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी महाराष्ट्र में बादल गायब हैं। अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और भारी बारिश से चार जिलों में नुकसान हुआ। राज्य में 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं, अब तक 7 लोगों की मौत और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा असर लखीमपुर जिले में है। आडिशा में जगन्नाथ रथयात्रा से पहले आज बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के कई इलाकों में रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें पुरी भी शामिल है। यह चेतावनी बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र के कारण जारी की गई है।

शहर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में SMC के स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार 4 दिनों से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालित : अब तक 5,470 लोगों ने लिया लाभ

सामान्य बुखार, दस्त-उल्टी, सर्दी-खांसी, त्वचा रोग सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की प्राथमिक जांच और उपचार

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, 9624986108

सूरतः बुधवारः सूरत शहर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सूरत महानगरपालिका (SMC) के स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप संचालित किए जा रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों से पानी उतरने के साथ ही 11 जुलाई से शुरू किए गए ये शिविर लगातार पिछले 4 दिनों से चल रहे हैं। इन शिविरों में प्रतिदिन 100 से अधिक नागरिक लाभ ले रहे हैं और अब तक विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए कुल 5,470 लोगों का उपचार किया जा चुका है।

इस संबंध में लिम्बायत ज़ोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनन पटेल ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलने वाले इन शिविरों में मेडिकल ऑफिसर, मल्टीपर्पज़ हेल्थ वर्कर (MPHW) तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बुखार, दस्त, उल्टी, मलेरिया, डेंगू, त्वचा रोग सहित अन्य सामान्य बीमारियों की प्राथमिक जांच एवं उपचार किया जा रहा है। साथ ही आवश्यक दवाइयाँ भी निःशुल्क

उपलब्ध कराई जा रही हैं। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पतालों में रेफर भी किया जा रहा है। घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएँ मिलने से बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक इन शिविरों का लाभ उठा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बाढ़ का पानी उतरते ही संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की महामारी या संक्रामक रोग फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक एहतियाती कदम उठाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सर्वे कर नागरिकों के स्वास्थ्य की जानकारी एकत्र की है। इसके साथ ही मच्छरों एवं अन्य रोग फैलाने वाले जीवाणुओं पर नियंत्रण के लिए बड़े पैमाने पर कीटनाशकों का छिड़काव किया गया है।

जलजनित बीमारियों से छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ORS (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट्स) के 5,986 पैकेट वितरित किए गए हैं। वहीं 553 मलेरिया स्लाइड परीक्षण कर संभावित मरीजों की जांच भी की गई है।

सूरत में दो दिनों से भटक रही 75 वर्षीय निराश्रित वृद्धा के लिए '181 अभयम' बनी जीवनरक्षक

याददाश्त खो चुकी असहाय वृद्धा की मदद को आगे आई '181 अभयम' टीम, सुरक्षित रूप से ओल्ड एज होम में कराया पुनर्वास

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, 9624986108

सूरत, बुधवारः शहर में एक बार फिर मानवता और सरकारी हेल्पलाइन की तत्परता का प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। सूरत के सरथाणा क्षेत्र में पिछले दो दिनों से आश्रय की तलाश में भटक रही 75 वर्षीय निराश्रित एवं असहाय वृद्ध महिला के लिए '181 अभयम' महिला हेल्पलाइन सच्चे अर्थों में देवदूत साबित हुई। हेल्पलाइन की टीम ने वृद्धा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए धैर्यपूर्वक काउंसेलिंग की और उन्हें सुरक्षित रूप से एक ओल्ड एज होम में आश्रय दिलाकर नया सहारा प्रदान किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरथाणा क्षेत्र स्थित राधे फार्म के पास एक वृद्ध महिला पिछले दो दिनों से अत्यंत दयनीय अवस्था में भटक रही थीं। इस स्थिति पर एक जागरूक नागरिक की नजर पड़ी, जिन्होंने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत 181 अभयम महिला हेल्पलाइन पर संपर्क कर सहायता मांगी।

सूचना मिलते ही 181 अभयम महिला हेल्पलाइन की उमरा रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने सबसे पहले वृद्धा को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया और उनकी घबराहट कम करने का प्रयास किया। प्रारंभ में वृद्ध महिला काफी भयभीत और मानसिक रूप से असमंजस की स्थिति में थीं, जिसके कारण वह अपने

बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थीं। इसके बावजूद अभयम टीम ने धैर्य, आत्मीयता और विश्वास के साथ लगातार उनसे संवाद बनाए रखा।

लगातार काउंसेलिंग के दौरान वृद्ध महिला ने केवल अपना नाम और यह जानकारी दी कि वे किसी हाउसिंग क्षेत्र में रहती थीं। आगे पूछताछ में उन्होंने भावुक होकर बताया कि उनके परिवार के सभी सदस्यों का निधन हो चुका है। कमजोर याददाश्त और मानसिक स्थिति के कारण वे अपने घर का पता या अन्य परिजनों की जानकारी नहीं दे सकीं। वृद्धा की आयु और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 181 अभयम की टीम ने उन्हें सड़क पर असहाय छोड़ने के बजाय आवश्यक समन्वय किया। सूरत शहर में उनका कोई वारिस या परिजन नहीं मिलने पर सभी परिस्थितियों का मूल्यांकन कर उन्हें सुरक्षित रूप से एक ओल्ड एज होम में आश्रय दिलाया गया।

181 अभयम टीम ने केवल पुनर्वास कर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की, बल्कि ओल्ड एज होम के संचालकों को वृद्धा की शारीरिक एवं मानसिक स्थिति से भी पूरी तरह अवगत कराया। साथ ही, उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर भोजन तथा आवश्यक देखभाल सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया।

181 अभयम टीम की इस संवेदनशील और मानवीय पहल के परिणामस्वरूप आज एक निराश्रित वृद्ध महिला को सम्मानजनक आश्रय और सुरक्षित जीवन का सहारा मिल सका।

संपादकीय

अन्याय सरीखा दिखने वाला न्याय

इस उक्ति से सभी परिचित हैं कि न्याय केवल होना ही नहीं, बल्कि दिखना भी चाहिए। दुर्भाग्य है कि अपने देश में न्याय न होते दिखने के उदाहरण बढ़ते चले जा रहे हैं। ताजा उदाहरण है रोंगटे खड़े कर देने वाले श्रद्धा वाकर हत्याकांड के अभियुक्त आफताब अमीन पूनावाला को राहत देने का। यह सनसनीखेज मामला सभी की स्मृति में होगा कि आफताब ने अपनी प्रेमिका और लिव इन पार्टनर श्रद्धा को मुंबई से दिल्ली लाकर मार डाला था। उसने श्रद्धा की हत्या करने के बाद उसके शव के 35 टुकड़े किए। फिर उन्हें काट-काट कर फ्रिज में रखा। इसके बाद एक-एक कर उन्हें जंगल में फेंक दिया।

कई महीनों बाद जब यह मामला उजागर हुआ तो देश सन्न रह गया। यह घटना मई 2022 की है। चूंकि घटना बहुत ही जघन्य थी, इसलिए यह मानकर चला जा रहा था कि इस मामले में न्याय का पहिया द्रुत गति से घूमेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पिछले दिनों दिल्ली की एक अदालत में आफताब के ट्रायल की सुनवाई इसलिए टाल दी, क्योंकि उसे एमए समाजशास्त्र की परीक्षा देनी है।

पहली नजर में यह लग सकता है कि एक दिन के लिए सुनवाई टलना कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन यह इसलिए बड़ी बात है कि जब पिछली तिथि में यह तय हो रहा था कि ट्रायल की शुरुआत 20 जुलाई से होगी, तब उस समय आफताब के वकील ने अदालत को यह नहीं बताया कि इस दिन तो उसे परीक्षा देनी है? यह बात बाद में बताई गई और न्यायाधीश ने उदारता दिखाते हुए सुनवाई टाल दी। यह पहली बार नहीं हुआ। इसके पहले एक बार आफताब के मामले की सुनवाई इसलिए टाली गई थी, क्योंकि उसे डेंटिस्ट को दिखाना था। इसी तरह एक बार सुनवाई इसलिए टली थी, क्योंकि उसे मनोचिकित्सक से मिलना था।

किसी मामले की सुनवाई टालने के लिए रसूखदार अभियुक्त या उसके परिवार वाले और वकील जैसे तौर-तरीके अपनाते हैं, उनसे हर कोई परिचित है। प्रश्न यहां किसी मामले की सुनवाई टल जाने का नहीं, बल्कि इसका है कि क्या किसी हत्याकांड के अभियुक्त को समय रहते दंड देना आवश्यक है अथवा उसकी परीक्षा की चिंता करना? यह सही है कि न्याय का तकाजा यह कहता है कि जब तक कोई दोषी न सिद्ध हो जाए, तब तक उसे निर्दोष माना जाए, लेकिन क्या आफताब जैसे हत्यारे के मामले में भी न्याय के इस सिद्धांत पर उदारता से अमल होगा? यह कोई पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जो तारीख पर तारीख के सिलसिले को रेखांकित करता हो। इस तरह के असंख्य मामले हैं। आम तौर पर मामलों की सुनवाई में देरी इसीलिए होती है, क्योंकि अभियुक्त और उनके वकील ऐसे तौर-तरीके अपने में सफल रहते हैं, जिनसे उनके मामले की सुनवाई येन-केन-प्रकारेण टलती रहे।

यह उक्ति भी सभी ने सुनी होगी कि न्याय के समक्ष सभी एक समान हैं, लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में यह भी सच नहीं है और इसका उदाहरण है केरल की कैंसरग्रस्त उस महिला का मामला, जिसने कैंसर की महंगी दवाएं सस्ते में उपलब्ध कराने के लिए केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले की सुनवाई 57 बार स्थगित हुई। इसे आठ अलग-अलग न्यायाधीशों के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहा और अंततः उक्त महिला की मौत हो गई। गनीमत रही तो यह कि केरल हाई कोर्ट महिला की मौत के बाद भी इस प्रकरण की सुनवाई जारी रखने के लिए तैयार है। बीते दिनों केरल का यह मामला तब चर्चा में आया, जब दवाओं और उपचार तक आसान पहुंच के लिए कार्यरत एक संगठन ने न्यायिक कार्यवाही में हो रही देरी को लेकर केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश समेत सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश और राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा।

यहां हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किस तरह सुप्रीम कोर्ट ने आतंकी याकूब मेमन के मामले को आधी रात में सुना था और तीस्ता सीतलवाड़ को रात नौ बजे जमानत दी थी। रसूखदार लोगों के ऐसे कुछ और भी उदाहरण रहे हैं, जब उनके मामले को आनन-फानन सुना गया। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि इन मामलों की पैरवी भी प्रभावशाली वकील कर रहे थे।

यह बार-बार सुनने को मिलता है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद, लेकिन इस सिद्धांत का भी मनचाहा उपयोग हो रहा है और कई बार संगीन अपराधों में लिप्त अभियुक्तों को भी जमानत दे दी जाती है। पिछले दिनों ही तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को जमानत दे दी गई। जेल से बाहर आते ही उसने पहले इस नाबालिग लड़की, उसकी मां और नानी को मारा, फिर अपनी पत्नी और दो बच्चों को। बाद में वह भी मरा हुआ पाया गया।

अभी गत दिनों दिल्ली के भीषण दंगों के दौरान आइबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी के जिस पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया गया, उसे सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा चुनाव लड़ने की ही नहीं, प्रचार के लिए भी जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी थी। उसे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया था। वह छह दिन तक पुलिस की निगरानी में चुनाव प्रचार करता रहा। ऐसी न्यायिक उदारता न तो न्यायतंत्र का मान बढ़ाती है और न ही न्यायपालिका के प्रति आम आदमी के भरोसे को बल देती है। हर चीज की अति बुरी होती है-वह चाहे न्यायिक सक्रियता हो या फिर न्यायिक उदारता। इस सक्रियता और उदारता के साथ न्यायिक निष्क्रियता कोढ़ में खाज का ही काम कर रही है।

सामाजिक समरसता का उत्सव जगन्नाथ रथयात्रा

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में ऐसे अनेक पर्व हैं जो केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं हैं, बल्कि समाज को जोड़ने वाले जीवंत लोक उत्सव भी हैं। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ऐसा ही एक महापर्व है, जिसने सदियों से सामाजिक समरसता, लोक सहभागिता और सांस्कृतिक एकात्मता का संदेश दिया है। यह उत्सव केवल ओडिशा के पुरी तक सीमित नहीं है, बल्कि महानदी के उद्गम क्षेत्र से लेकर उसके महोदधि में विलय तक फैले विस्तृत भूभाग में लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के अनेक नगरों और ग्रामों में निकलने वाली रथयात्राएं इस साझा सांस्कृतिक विरासत की सशक्त अभिव्यक्ति हैं।

भगवान जगन्नाथ की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सर्वसमावेशी अवधारणा है। जगन्नाथ किसी एक वर्ग, जाति अथवा संप्रदाय के देवता नहीं हैं। उनके मंदिर और उनकी परंपराएं भारतीय समाज की विविधता को एक सूत्र में बांधती हैं। यही कारण है कि रथयात्रा के अवसर पर समाज के सभी वर्ग बिना किसी भेदभाव के एक साथ उपस्थित होते हैं। रथ की रस्सी खींचना केवल धार्मिक कार्य नहीं माना जाता, बल्कि यह समानता और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। राजा से लेकर सामान्य नागरिक तक सभी एक ही रस्सी को पकड़कर भगवान के रथ को आगे बढ़ाते हैं। यह दृश्य भारतीय समाज में समानता के आदर्श का सजीव उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पुरी की रथयात्रा का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक स्रोतों और यात्रावृत्तांतों में मिलता है। इतिहासकारों के अनुसार बारहवीं शताब्दी में गंग वंश के शासनकाल में वर्तमान श्रीमंदिर का निर्माण हुआ और इसके साथ रथयात्रा की परंपरा अधिक व्यवस्थित स्वरूप में विकसित हुई। हालांकि भगवान जगन्नाथ की उपासना इससे भी प्राचीन मानी जाती है तथा इसमें आदिवासी, लोक और वैदिक परंपराओं का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विद्वान हरमन कुल्के तथा गोपीनाथ महापात्र ने अपने शोध कार्यों में जगन्नाथ परंपरा को भारतीय सांस्कृतिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

रथयात्रा की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक विशेषता यह है कि इस दिन भगवान स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर अपने भक्तों के बीच आते हैं। सामान्यतः मंदिरों में श्रद्धालु देवदर्शन के लिए जाते हैं, किंतु इस उत्सव में भगवान नगर भ्रमण करते हैं। यह परंपरा इस विचार को पुष्ट करती है कि ईश्वर केवल मंदिर की सीमाओं में नहीं, बल्कि समस्त समाज के हैं। जो लोग किसी कारणवश मंदिर नहीं पहुंच सकते, वे भी भगवान के दर्शन कर सकते हैं। इस दृष्टि से रथयात्रा सामाजिक समावेशन का अनूठा प्रतीक है।

इस महापर्व की एक अन्य महत्वपूर्ण परंपरा 'छेरा पहरा' है। इसमें गजपति महाराज स्वर्ण झाड़ू से भगवान के रथ के चारों ओर सफाई करते हैं। भारतीय राजसत्ता के इतिहास में यह परंपरा अत्यंत विशिष्ट है क्योंकि यहां राजा स्वयं को भगवान का सेवक घोषित करता है। इससे समाज में यह संदेश जाता है कि सेवा सबसे बड़ा धर्म है और पद अथवा प्रतिष्ठा से ऊपर मानवता का मूल्य है। सामाजिक समरसता की दृष्टि से यह परंपरा अत्यंत प्रेरणादायक है।

महानदी के प्रवाह क्षेत्र में रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं रही, बल्कि सांस्कृतिक आदान प्रदान का माध्यम भी बनी। छत्तीसगढ़ के रायपुर, महासमुंद, धमतरी, आरंग, सिरपुर, राजिम, जांजगीर, चांपा, रायगढ़, सरायपाली तथा अनेक कस्बों और गांवों में वर्षों से रथयात्रा का आयोजन होता आ रहा है। इन आयोजनों में स्थानीय लोककलाएं, भजन मंडलियां, लोकनृत्य, पारंपरिक वाद्य यंत्र और सामुदायिक सहभागिता इस उत्सव को विशिष्ट स्वरूप प्रदान करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि जगन्नाथ संस्कृति ने स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करते हुए समाज में सांस्कृतिक एकता को मजबूत किया है।

जगन्नाथ संस्कृति का एक अनूठा और जीवंत स्वरूप बस्तर के गोंचा पर्व में भी दिखाई देता है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारंभ होने वाला यह महोत्सव भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का स्थानीय रूप है, जिसने बस्तर की जनजातीय संस्कृति के साथ अद्भुत समन्वय स्थापित किया है। जगदलपुर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की रथयात्रा के साथ आरंभ होने वाले इस पर्व की सबसे विशिष्ट पहचान तुपकी और गोंचा है। तुपकी बांस से निर्मित पारंपरिक खिलौना बंदूक होती है, जिससे गोंचा नामक वनफल को प्रतीकात्मक रूप से चलाया जाता है। यह परंपरा उत्सव, उल्लास और लोक सहभागिता का प्रतीक है। इस पर्व में जनजातीय समाज, राजपरिवार, ग्रामीण और शहरी समुदाय सहित सभी वर्गों के लोग समान उत्साह से भाग लेते हैं। सामाजिक भेदभाव से परे सामूहिक सहभागिता, लोककला, लोकसंगीत और पारंपरिक खेलों का यह संगम गोंचा पर्व को सामाजिक समरसता का अद्वितीय उदाहरण बनाता है। यह पर्व इस बात का प्रमाण है कि जगन्नाथ संस्कृति ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करते हुए अपनी मूल भावना, समानता, सेवा और सामाजिक एकता को अक्षुण्ण बनाए रखा है।

रथयात्रा का आर्थिक और सामाजिक पक्ष भी उल्लेखनीय है। इस अवसर पर स्थानीय कारीगर, बढ़ई, चित्रकार, वस्त्र निर्माता, मृद्भांड शिल्पी, प्रसाद बनाने वाले परिवार तथा लोक कलाकार सभी इस उत्सव से जुड़े रहते हैं। रथ निर्माण में विशिष्ट प्रकार की लकड़ी, पारंपरिक शिल्पकला और सामूहिक श्रम का उपयोग होता है। इससे परंपरागत ज्ञान का संरक्षण भी होता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलती है। यह उत्सव केवल आस्था का नहीं, बल्कि लोकजीवन की आर्थिक संरचना का भी महत्वपूर्ण आधार है।

रथयात्रा सामाजिक समरसता का संदेश इसलिए भी देती है क्योंकि इसमें जातीय और सामाजिक विभाजनों का प्रभाव नगण्य दिखाई देता है। भगवान के महाप्रसाद को सभी लोग समान रूप से ग्रहण करते हैं। पुरी की आनंद बाजार परंपरा इस समावेशी दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां महाप्रसाद को किसी भी प्रकार के सामाजिक भेदभाव से परे माना जाता है। भारतीय समाज में समान भोजन और समान सहभागिता सदैव सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण आधार रहे हैं।

वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और आर्थिक विभाजनों का सामना कर रहा है, तब रथयात्रा का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व बताता है कि समाज की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। अलग अलग भाषाएं, लोक परंपराएं, रीति रिवाज और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां मिलकर ही भारत की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का निर्माण करती हैं। महानदी से महोदधि तक फैली जगन्नाथ परंपरा इस सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत उदाहरण है।

रथयात्रा हमें यह भी सिखाती है कि परंपराएं तभी जीवित रहती हैं जब उनमें समाज की सक्रिय भागीदारी बनी रहे। यही कारण है कि यह उत्सव सदियों बाद भी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जन जन का उत्सव बना हुआ है। इसमें आस्था है, लोकजीवन है, सेवा है, समानता है और सांस्कृतिक निरंतरता का अद्भुत भाव है। यही विशेषताएं इसे सामाजिक समरसता के सबसे महत्वपूर्ण भारतीय उत्सवों में स्थान दिलाती हैं।

आचार्य ललित मुनि लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं।

16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथजी रथयात्रा के अवसर पर पुलिस आयुक्त का सार्वजनिक आदेश

रथयात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु 16 जुलाई 2026 को सुबह 6:00 बजे से रथयात्रा समाप्त होने तक प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही एवं पार्किंग पर प्रतिबंध

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

सूरत, बुधवारः सूरत शहर में आज भगवान श्री जगन्नाथजी की पवित्र रथयात्रा के अवसर पर कानून-व्यवस्था एवं सुचारु यातायात बनाए रखने के उद्देश्य से सूरत शहर के पुलिस आयुक्त श्री वाबांग जामीर ने एक अस्थायी सार्वजनिक आदेश जारी किया है। जनसुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता पड़ने पर रथयात्रा प्रारंभ होने से लेकर उसके समापन तक दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की आवाजाही तथा पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

16 जुलाई 2026 को भगवान श्री जगन्नाथजी की रथयात्रा सरदार साहब की प्रतिमा (सूरत रेलवे स्टेशन) से प्रारंभ होकर दिल्ली गेट, लीनियर बस स्टैंड, रिंग रोड, सहारा दरवाजा, टेक्सटाइल मार्केट, उधना दरवाजा ब्रिज के नीचे, मजूरा गेट, अठवागेट, सरदार ब्रिज, गुजरात गैस सर्कल, चौकसी वाड़ी, ऋषभ चौराहा, रांदेर रोड, नवयुग कॉलेज, ताड़वाड़ी तीन रास्ता, पालनपुर पाटिया, रामनगर, मोरा भागल, सुभाष बाग गार्डन सर्कल, जहांगीरपुरा ओवरब्रिज के नीचे स्थित तीन रास्ता तथा इस्कॉन सर्कल से दाहिने मुड़कर इस्कॉन मंदिर, जहांगीरपुरा पर समाप्त होगी।

16 जुलाई 2026 को सुबह 6:00 बजे से भारी वाहनों के आवागमन पर तथा रथयात्रा प्रारंभ होने से समाप्ति तक दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की आवाजाही और पार्किंग पर प्रतिबंध रहेगा।

वैकल्पिक मार्ग (डायवर्जन) इस प्रकार रहेंगेः

1. कडोदरा हाईवे से अठवा, वेसू एवं भटार जाने वाले भारी वाहन कंगारू सर्कल से बाएं मुड़कर महाराणा प्रताप रोड, डिंडोली रेलवे ओवरब्रिज, साईं पॉइंट, पांडेसरा ब्रिज होते हुए दक्षेश्वर मंदिर मार्ग का उपयोग करेंगे।

2. कडोदरा हाईवे से उधना दरवाजा जाने वाले भारी वाहन परवत पाटिया, कबूतर सर्कल, भाठेना ब्रिज होकर रोकड़िया चौराहा मार्ग से जाएंगे।

3. सीमाडा-सरथाणा जकात नाका से अठवागेट जाने वाले भारी वाहन रेशमा

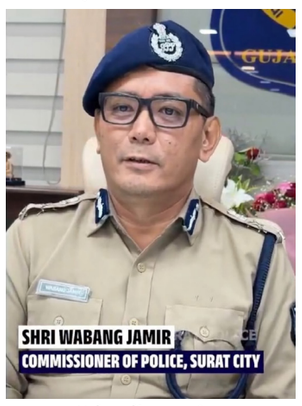

सर्कल, परवत पाटिया, कबूतर सर्कल, भाठेना ब्रिज होकर रोकड़िया चौराहा मार्ग का उपयोग करेंगे।

4. पुरानी बॉम्बे मार्केट से उधना दरवाजा एवं अठवागेट जाने वाले भारी वाहन न्यू बॉम्बे मार्केट, सरदार मार्केट, परवत पाटिया, कबूतर सर्कल, भाठेना ब्रिज होकर रोकड़िया चौराहा मार्ग से जाएंगे।

5. गोतालावाड़ी से रेलवे स्टेशन एवं सहारा की ओर जाने वाले भारी वाहन किरण अस्पताल, नगीनावाड़ी ब्रिज, वराछा, बॉम्बे मार्केट, आई माता-परवत पाटिया, कबूतर सर्कल, भाठेना ब्रिज होते हुए रोकड़िया चौराहा मार्ग का उपयोग करेंगे।

6. गोतालावाड़ी से अठवा, वेसू एवं भटार जाने वाले भारी वाहन किरण अस्पताल, नगीनावाड़ी ब्रिज, वराछा, बॉम्बे मार्केट, आई माता-परवत पाटिया, कंगारू सर्कल, महाराणा प्रताप रोड, डिंडोली रेलवे ओवरब्रिज, साईं पॉइंट, पांडेसरा ब्रिज होकर दक्षेश्वर मंदिर मार्ग से जाएंगे।

7. सचिन एवं नवसारी की ओर से अडाजण एवं रांदेर जाने वाले भारी वाहन रोकड़िया चौराहा, उधना-मगदल्ला रोड, जॉली चौराहा, महाराणा प्रताप रोड, राहुलराज मॉल तीन रास्ता, डुमस-अठवा रोड, SVNIT सर्कल, पाल-उमरा ब्रिज तथा हजीरा-अडाजण रोड का उपयोग करेंगे।

8. एस.के. नगर से अडाजण एवं रांदेर जाने वाले भारी वाहन डुमस-अठवा रोड, SVNIT सर्कल, पाल-उमरा ब्रिज एवं हजीरा-अडाजण रोड से गुजरेंगे।

9. निर्धारित समय के दौरान नागरिक आंतरिक मार्गों का उपयोग कर सकेंगे तथा रथयात्रा जिस मार्ग से गुजर चुकी होगी, वहां से बाद में वाहन आवागमन किया जा सकेगा।

10. वरियाव चेक पोस्ट से भारी वाहन भेसाण-हजीरा रोड का उपयोग करेंगे।

11. ओलपाड की ओर से आने वाले भारी वाहन सारोली ब्रिज उतरकर यू-टर्न लेकर दांडी-भेसाण-हजीरा रोड एवं वरियाव-सायण रोड से जा सकेंगे।

12. दांडी रोड से सुभाष बाग की ओर जाने वाले वाहन डी-मार्ट चौराहा एवं उगत नहर के आंतरिक मार्गों का उपयोग करेंगे।

13. भेसाण-उगत की ओर से आने वाले वाहन उगत नहर होकर पाल गांव की ओर जा सकेंगे।

14. जिला ब्रिज से धबकार सर्कल होते हुए अडाजण गांव जाने वाले वाहन शीतल चौराहा, ताप्ती नदी किनारे एवं सरदार ब्रिज के नीचे से होकर जाएंगे।

15. अडाजण गांव से आने वाले वाहन भूलकाभवन तीन रास्ता से बाएं मुड़कर आनंद महल रोड का उपयोग करेंगे।

उक्त अवधि के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस वाहन, एम्बुलेंस एवं फायर ब्रिगेड के वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। यह आदेश 16 जुलाई 2026 को प्रभावी रहेगा तथा आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

यदि चाहें, मैं इसे हिंदी समाचार (हेडलाइन + इंट्रो + संक्षिप्त रिपोर्ट) के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत के बाढ़ प्रभावित व्यापारियों, व्यवसायों एवं सेवा इकाइयों के लिए उदार पुनर्वास सहायता पैकेज की घोषणा की

पुनर्वास सहायता पैकेज की जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी

पिछले तिमाही का GST रिटर्न दाखिल करने वाले पक्की दुकानों के व्यापारियों को 1 लाख की एकमुश्त नकद सहायता दी जाएगी

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत, 9624986108

*** GST रिटर्न दाखिल करने वाले प्रभावित व्यापारियों को ब्याज सहायता हेतु पैकेज लागू होने की तिथि से 6 माह के भीतर आवेदन करना होगा।**

*** सूरत शहर के बाढ़ प्रभावित आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों को एक वर्ष तक कर (टैक्स) में छूट दी जाएगी।**

*** अब तक प्रभावित क्षेत्रों में 19,256 परिवारों को गृहस्थी सहायता तथा 39,237 व्यक्तियों को कैश डोल के रूप में कुल 13.15 करोड़ की सहायता वितरित की जा चुकी है।**

सूरतः जुलाई 2026 में सूरत जिला एवं सूरत महानगरपालिका क्षेत्र में हुई भारी से अति भारी वर्षा के कारण आई बाढ़ से शहर एवं जिले के अनेक क्षेत्रों में जलभराव हुआ, जिससे व्यापार, वाणिज्य एवं सेवा क्षेत्र की इकाइयों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रभावित क्षेत्रों में व्यापार-धंधों को शीघ्र पुनः प्रारंभ करने तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से प्रभावित व्यापारिक एवं सेवा इकाइयों के लिए एक उदार पुनर्वास सहायता पैकेज की घोषणा की है।

उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा घोषित इस पैकेज की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि छोटे व्यापारियों के पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए रेहड़ी, लारी, छोटी एवं बड़ी केबिन संचालकों को एकमुश्त नकद सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं पिछले तिमाही का GST रिटर्न दाखिल करने वाले पक्की दुकानों के व्यापारियों को 1 लाख की एकमुश्त सहायता दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त GST रिटर्न दाखिल करने वाले व्यापारियों एवं पक्की दुकानों के लिए बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा तथा उस पर राज्य सरकार ब्याज सहायता भी देगी।

पुनर्वास सहायता पैकेज की प्रमुख घोषणाएँ

पात्रता सहायता

रेहड़ी/लारी संचालक

7,500 की एकमुश्त नकद सहायता

40 वर्गफुट तक की स्थायी छोटी केबिन 25,000 की एकमुश्त सहायता

40 वर्गफुट से बड़ी केबिन 50,000 की एकमुश्त सहायता

GST रिटर्न दाखिल करने वाली पक्की दुकान 1,00,000 की एकमुश्त सहायता

मासिक टर्नओवर 7.5 लाख तक 20 लाख तक के टर्म लोन पर 3 वर्ष तक 7% ब्याज सहायता (अधिकतम 5 लाख)

मासिक टर्नओवर 7.5 लाख से 15 लाख तक 25 लाख तक के टर्म लोन पर 3 वर्ष तक 7% ब्याज सहायता (अधिकतम 8 लाख)

मासिक टर्नओवर 15 लाख से अधिक 30 लाख तक के टर्म लोन पर 3 वर्ष तक 7% ब्याज सहायता (अधिकतम 10 लाख)

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि एकमुश्त नकद सहायता अथवा ब्याज सहायता में से केवल एक ही विकल्प का लाभ मिलेगा।

एकमुश्त सहायता प्राप्त करने के लिए प्रभावित व्यापारियों का सर्वेक्षण, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के आधार पर नुकसान का आकलन किया जाएगा। पात्र आवेदकों को 30 सितंबर 2026 तक निर्धारित प्रपत्र में संबंधित नगर आयुक्त, मामलतदार अथवा नगर पालिका के मुख्य अधिकारी के समक्ष आवेदन करना होगा।

सूरत महानगरपालिका के प्रत्येक ज़ोन में संबंधित डिप्टी कमिश्नर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रांत अधिकारी की अध्यक्षता में समितियाँ गठित की जाएंगी, जो सहायता स्वीकृत करेंगी।

GST रिटर्न दाखिल करने वाले व्यापारी ब्याज सहायता के लिए पैकेज लागू होने की तिथि से 6 माह के भीतर जिला उद्योग केंद्र (DIC) में बैंक ऋण के प्रमाण के साथ आवेदन कर सकेंगे।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन इकाइयों को पहले से APMC योजना के अंतर्गत सहायता मिल चुकी है, वे इस पैकेज के पात्र नहीं होंगे। किसी भी विवाद या पुनः सर्वे की स्थिति में प्रभावित इकाई जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली अपील समिति के समक्ष अपील कर सकेगी।

एक वर्ष के लिए टैक्स माफी

उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सूरत शहर के बाढ़ प्रभावित आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों को एक वर्ष के लिए कर (टैक्स) से छूट देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

स्वच्छता अभियान

बाढ़ के बाद किसी भी प्रकार की गंदगी या महामारी की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सूरत महानगरपालिका के साथ अन्य महानगरपालिकाओं से 9,000 से अधिक सफाई कर्मचारियों को सूरत भेजा गया है। उपमुख्यमंत्री ने इस कार्य में सहयोग देने वाले सभी सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त किया।

राहत सहायता वितरण

14 जुलाई 2026 तक सूरत में 19,256 परिवारों को 9.62 करोड़ की गृहस्थी सहायता तथा 39,237 व्यक्तियों को 3.53 करोड़ की कैश डोल सहायता प्रदान की जा चुकी है। इस प्रकार कुल 13.15 करोड़ की राहत राशि वितरित की गई है।

भविष्य के लिए स्थायी समाधान

सूरत के खाड़ी क्षेत्रों में भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित इस समिति में सूरत महानगरपालिका आयुक्त, जिला कलेक्टर तथा सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। समिति शीघ्र ही बाढ़ की समस्या के दीर्घकालिक समाधान हेतु एक ठोस कंक्रीट एक्शन प्लान तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी तथा केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर व्यापारियों और प्रभावित नागरिकों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याओं और नुकसान का प्रत्यक्ष आकलन करने के बाद यह व्यापक पुनर्वास सहायता पैकेज घोषित किया।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

»चेन्नई

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है।

तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है। कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन सा डेटा लीक हुआ। न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है। परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है। साल 2019 में भी कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट के प्रशासनिक नेटवर्क में उत्तर कोरिया से जुड़े हैकर समूह का मैलवेयर मिलने की पुष्टि हुई थी। उस समय NPCIL ने कहा था कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली प्रभावित नहीं हुई थी। देश में सबसे ज्यादा बिजली की डिमांड यूपी में है। इसको पूरा करने के लिए सरकार 6 न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने जा रही है।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वही किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को 'यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ'छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।''

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, ''जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अ'छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।''

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ'छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।''

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।''

मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।' नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, 'यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की।

शीना चौहान ने कहा, 'मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।'

सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म 'जटास्य मरणं ध्रुवम्' में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है; इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।

इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR